आई नेक्स्ट 19.10.16

ध्रुपद महोत्सव को कलाकारों ने बनाया खास

» BHU में तीन दिनी महोत्सव का हुआ समापन

VARANASI (19 Oct): बीएचयू शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की कड़ी में परफॉरमिंग आर्ट्स फैकल्टी में तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव के अंतिम दिन कलाकारों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से खास बंना दिया. कार्यक्रम की शुरुआत खैरागढ़ से आयीं ध्रुपद गायिका सोमबाला कुमार ने की. उन्होंने राग-मुल्तानी और चौताल में बंदिश पेश की. उनके बाद उस्ताद बहाउद्दीन डागर ने रुद्रवीणा के तार झंकृत किये. उन्होंने राग खमाज में आलाप एवं जोड़, झाला प्रस्तुत किया. प. ऋत्विक सान्याल ने राग छायानट में धमार प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सेक्रेटरी प्रो. सच्चिदानन्द जोशी बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए. वीसी प्रो गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने अध्यक्षता की. बीएचयू एग्जिक्यूटिव काउंसिल के मेंबर प्रो चित्तरंजन ज्योतिषी की उपस्थिति खास रही. डॉ विश्वनाथ पाण्डेय ने स्वागत किया. प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. के. शशी कुमार, प्रो. वीरेन्द्र नाथ मिश्र, प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी आदि उपस्थित थे.

महोत्सव में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी.

अमर उजाला

वाराणसी

बुधवार, 19 अक्तूबर 2016

गायन-वादन में भीगी ध्रुपद की दूसरी संध्या

वाराणसी (ब्यूरो)। बीएचयू संगीत एवं मंच कला संकाय में आयोजित ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन जयपुर की डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। उन्होंने रांग हंसकिंकड़ी में आलाप जोड़ में ...अब हौं कासौ बैर करो की प्रस्तुति दी। इसके बाद कल्याण राग माला में ध्रुपद पेश किया। प्रवीण आर्य ने पखावज और पंडित संतोष मिश्र ने सारंगी पर संगत दिया। दूसरी प्रस्तुति दिल्ली के पंडित डालचंद शर्मा द्वारा पखावज की रही। सारंगी पर अनीश मिश्र ने संगत किया। इस क्रम में तीसरी प्रस्तुत पुणे के पंडित उदय भवालकर की रही। संचालन ज्योति सिंह व अनुराधा रतूड़ी ने किया। इस अवसर पर प्रो: कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो. ऋत्विक सान्याल, प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्र आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
वाराणसी • बुधवार • 19 अक्तूबर 2016

ध्रुपद महोत्सव में पखावज की प्रस्तुति ने मोहा मन

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू शताब्दी समारोह के तहत चल रहे ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को दिल्ली के दालचंद्र शर्मा के पखावज ने उपस्थित श्रोताओं को मोहित किया। उन्होंने चौताल में शिव परन, पंचदेव स्तुति, दुर्गा व देवों के भाव की भावपूर्ण प्रस्तुति कर तालियां बटोरी।

पंडित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में दूसरे दिन कार्यक्रम की शुरुआत जयपुर की डॉ. मधु भट्ट तैलंग के गायन से हुई। उन्होंने राग हंगसकिंकडी में अलाप, जोड़ और चौताल में ह्यअब हौं कासौ बैर करोंह्न प्रस्तुत कर श्रोताओं को रिझाया। इसी क्रम में पुणे के पंडित उदय भवालकर का भी गायन हुआ। उन्होंने राम भूप में ह्यहार गुंथाओं फूलन केह्न और राग श्री में अलाप प्रस्तुत किया।

पंडित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में ध्रुपद महोत्सव में प्रस्तुति देतीं जयपुर की गायिका डॉ. मधु भट्ट तैलंग।

इस अवसर पर प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो. ऋत्विक सान्याल, प्रो. शारदा वेलंकर, संकाय प्रमुख प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्र, प्रो. के शशि कुमार, प्रो. राजेश शाह, प्रो. विश्वनाथ पांडेय, प्रो. संगीता पांडेय, डॉ. केए चंचल, डॉ. रामशंकर, डॉ. ज्ञानेश चंद्र पांडेय आदि उपस्थित थे।

वाराणसी | बुधवार • 19 अक्टूबर • 2016

राष्ट्रीय सहारा

...अब हौ कासो बैर करे

बीएचयू में ध्रुपद महोत्सव

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का पंडित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह मंगलवार को शास्त्रीय संगीत से गुंजायमान रहा। अवसर था काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत एंव मंचकला संकाय में बीएचयू शताब्दी वर्ष समारोह समिति व इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की ओर से आयोजित ध्रुपद महोत्सव का जिसमें देश के ख्यातिलब्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महामना के बगिया में गायन व वादन के माध्यम से कलाकारों ने न सिर्फ हाजिरी लगायी बल्कि अपने कौशल का परिचय दिया। दूसरे निशा की प्रथ प्रस्तुति शास्त्रीय गायन से हुई। जयपुर की डा. मधु भट्ट तैलंग राग हंसकिकड़ी की साधना करते हुए अलाप व जोड की प्रस्तुति कर श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया। गाने के बोल थे अब हौ कासो बैर करो। उन्होंने राग धानी में जोगी महादेव तथा ध्रुपद में कल्याण राग माला की प्रस्तुति दी। पखावज पर प्रवीण आर्य तथा सारंगी पर पंडित संतोष मिश्र ने संगत किया। इसी क्रम में वादन की भी प्रस्तुति हुई जिसे दिल्ली से पधारे पंडित डालचन्द शर्मा ने पखावज की प्रस्तुति दी। सभागार पखावज की थाप से गुंजायमान रहा तो सारंगी के साथ हुगलबंदी अलग ही छटा बिखर रही थी। डालचन्द ने चौताल, शिवपरन, पंचदेव, की प्रस्तुतियां दी। शास्त्रीय गायन में पंडित उदय भावलकर पुणे भी अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर कलामर्मज्ञ प्रो. कमलेशदत्त त्रिपाठी,प्रो. ऋतिक सान्याल, प्रो. शारदा वेलंकर, वीरेन्द्र नाथ मिश्र के साथ ही श्रोता उपस्थित थे।

19.10.2016

अमर उजाला

गायन और वादन में भीगी ध्रुपद की दूसरी संध्या

वाराणसी। बीएचयू संगीत एवं मंच कला संकाय में आयोजित ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन जयपुर की डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। उन्होंने रांग हंसकिंकड़ी में आलाप जोड़ में ...अब हौं कासौ बैर करो की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मुग्ध किया। इसके बाद कल्याण राग माला में उन्होंने ध्रुपद पेश किया। प्रवीण आर्य ने पखावज और पंडित संतोष मिश्र ने सारंगी पर संगत दिया।

अलाप जोड़ व पखावज पर गुनगुनाते रहे श्रोता

ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में ध्रुपद समारोह में गायन प्रस्तुत करतीं मधु भट्ट तैलंग।

- बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय की ओर से आयोजित ध्रुपद महोत्सव का दूसरा दिन

जासं, वाराणसी : बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय के ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में ध्रुपद महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। इस दौरान अलाप जोड़, पखावज आदि की बेहतरीन प्रस्तुतियों पर लोग झूमते और गुनगुनाते रहे।

बीएचयू शताब्दी वर्ष समारोह समिति व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित ध्रुपद महोत्सव में जयपुर से आईं डा. मधु भट्ट तैलंग ने राग हंस किंकड़ी में अलाप जोड़ अब हौ कासौ बैर करों व राग धानी जोगी महादेव की प्रस्तुति दी। उनकी अगली प्रस्तुति कल्याण राग माला की मध्धम-तेज सुर से पूरा हाल गूंजता रहा। पखावज पर संगति प्रवीण भाई व सारंगी पर संतोष मिश्र ने किया। वहीं वादन में पखावज की प्रस्तुति दिल्ली से आए पं. डालचंद शर्मा ने दी। उन्होंने चौताल, शिव परन, पंचदेव स्तुति, झाला और तीन ताल की प्रस्तुतियों से संगीत को नया परवाज दिया। अंत में पुणे के पं. उदय भवालकर ने भी प्रस्तुति दी। पखावज संगति प्रताप अवाड़ का रहा। संचालन ज्योति सिंह ने किया। इस दौरान प्रो. ऋत्विक सान्याल, प्रो. शारदा वेलंकर, डा. ज्ञानेश पांडेय, डा. संगीता पंडित, डा. सुप्रिया शाह, लयलीना भट्ट आदि मौजूद थीं।

आज
वाराणसी, १८ अक्तूबर ,२०१६

राग भीमपलाशी, रागश्री में ध्रुपद का चला जादू

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह सांस्कृतिक समिति तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में संगीत एवं मंच

बीएचयू में तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव का शुभारम्भ

कला संकाय के पण्डित ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित त्रिदिवसीय ध्रुपद महोत्सव के पहले दिन सोमवार को श्रोताओ ने शास्त्रीय गीत-संगीत का रसास्वादन किया। ध्रुपद महोत्सव की प्रथम प्रस्तुति गायन विभाग के विधार्थियों ने ध्रुपद वृन्दगान, राग भीमपलाशी, पद कुन्जन में रच्योदास, राग-किरवानी में सुरको गाये ध्याये सूलताल में रचना प्रस्तुत कर की। दूसरी प्रस्तुति में रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता की आचार्य रंजीता मुखर्जी ने राग मुलतानी में गायन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात नयी दिल्ली के बलदीप सिंह ने स्वर्ण मंदिर दरबार साहिब की प्राचीन मर्यादा के मुताबिक शान में

चैताल बजाया। निलम्बित विलक्षण में छेड़ो का संग्रह एवं दुगुन, पक्की दुगुन तिगुन, ब्याढ़ एवं पड़ाव ताल में लयो के साथ पंजाब की प्राचीन बंदिशे परने तथा नगाड़ो कके खास बोलों के माध्यम से प्रस्तुति दी। इसीक्रम में रागश्री मंगलाचरण, आलाप, गुरुनानक देव महाराज का रागश्री में ध्रुपद 'मत जाड़ सह गली पाया माल के माड़े रूप की शोभा, इति विधि जनम गवाया' सुना कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद इलाहाबाद के कलाकार पण्डित प्रेम कुमार मलिक ने अपनी प्रस्तुति दी। समारोह के मुख्य अतिथि के वाइस चांसलर प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने कहा किक संगीत केवल मनोंरजन का विषय नही हैं। संगीत से मन, बुद्धि एवं आत्मा को सही दिशा में योजित करने से सफलता मिलती है। ध्रुपद महोत्सव से भारतीय संगीत परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन को नयी दिशा प्राप्त होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद के सदस्य प्रोफेसर चितंरजन ज्योतिषी, प्रोफेसर रेवाप्रसाद द्विवेदी, शताब्दी समारोह प्रकोष्ठ के चेयरमैन प्रोफेसर पीस उपाध्याय, डा. विश्वनाथ पांडेय, प्रोफेसर बीएन मिश्र, के चंद्रमौलि, प्रोफेसर चूडामणि गोपाल, प्रोफेसर शारदा वेलेंकर, प्रोफेसर संगीता पण्डित, प्रोफेसर एलडी मिश्र, प्रोफेसर सीबी झा सहित अन्य उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत प्रख्यात ध्रुपद गायक एवं संगीत एवं मंच कला संकाय के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर ऋत्विक सान्याल ने एवं कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा अनुराधा रतूडी ने किया।

18.10.2016 अमर उजाला

बीएचयू संगीत मंच कला संकाय के पं ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित ध्रुपद महोत्सव में गायन प्रस्तुत करते छात्र-छात्राए ।

महोत्सव में गूंजी पंजाब की बंदिशें

वाराणसी। बीएचयू के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत सोमवार को संगीत एवं मंच कला संकाय में तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने कहा कि संगीत केवल मनोरंजन का विषय नहीं बल्कि संगीत से मन, बुद्धि व आत्मा को सही दिशा में योजित करने में सफलता मिलती है।

ध्रुपद महोत्सव के तहत पहली प्रस्तुति गायन विभाग के छात्र-छात्राओं की रही। ध्रुपद वृंदगान, राग भीमपलाशी, पद कुंजन में रच्योदास, राग रिवानी में सुरको गाये ध्याये सुर ताल में रचना प्रस्तुत की गई। वहीं दूसरी प्रस्तुति कोलकाला की रंजीता मुखर्जी की

बीएचयू में ध्रुपद महोत्सव का हुआ आगाज

रही। उन्होंने राग मुलतानी में गायन प्रस्तुत किया। पखावज पर अंकित पारिख ने संगत किया। दिल्ली के भाई बलदीप सिंह ने स्वर्ण मंदिर दरबार साहिब की शान में चैताल बजाया। इसके बाद उन्होंने पड़ाव ताल में लय के साथ पंजाब की बंदिशें पेश कीं। ...मत जा सह गली पाया पाल के पाड़े रूप की शोभा बोल में रागश्री में ध्रुपद पेश किया। पंडित प्रेम कुमार मलिक ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

महोत्सव की अध्यक्षता प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने की। स्वागत पूर्व संकाय प्रमुख प्रो. ऋत्विक सान्याल ने किया। इस अवसर पर शताब्दी समारोह प्रकोष्ठ के ओएसडी डॉ. विश्वनाथ पांडेय, संकाय प्रमुख प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्र, प्रो. चित्तरंजन ज्योतिषी, प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रो. पीसी उपाध्याय, के चंद्रमौलि, प्रो. एस चूड़ामणि गोपाल, प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. संगीता पांडेय आदि मौजूद रहे। संचालन शोध अनुराधा रतूड़ी ने किया।

राष्ट्रीय
सहारा
वाराणसी | मंगलवार • 18 अक्टूबर • 2016

राग भीमपलासी सुन श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का पंडित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह सोमवार को गायन व वादन के विविध प्रस्तुतियों से लबरेज रहा। अवसर था ध्रुपद महोत्सव के तहत गायनव व वादन का जिसमें सधे हुए कलाकारो ने भगवान शिव की नगरी काशी में स्थिति महामना की बगिया में अपनी हाजिरी लगायी। बीएचयू के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह सांस्कृतिक समिति तथा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को अपरान्ह संगीत एवं मंच कला संकाय के पण्डित ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में त्रिदिवसीय ध्रुपद महोत्सव - 2016 का शुभारम्भ हुआ।

ध्रुपद महोत्सव की प्रथम प्रस्तुति गायन विभाग संगीत एचं मंच कला संकाय की छात्र-छात्राओ द्वारा दी गयी। इसके अन्तर्गत ध्रुपद वृनदगान, राग भीमपलाशी, पद कुन्जन में रच्योदास, राग-किरवानी में सुरको गाये ध्याये सूलताल में रचना प्रस्तुत की गयी। इस प्रस्तुति के निर्देशक प्रो. ऋत्वक सान्याल थे। दूसरी प्रस्तुति श्रीमती रंजीता मुखर्जी, रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता की अतिथि आचार्य थी। उन्होने राग मुलतानी में गायन प्रस्तुत किया। पखावज पर अंकित पारिख ने संगति किया। इसके पश्चात नई दिल्ली के भाई बलदीप सिंह ने गायन तथा पखावज पर आसुतोष उपाध्याय ने संगति किया। भाई बलदीप सिंह ने स्वर्ण मन्दिर दरबार साहिब की प्राचीन मर्यादा के मुताबिक शान में चैताल बजाया। निलम्बित बिलक्षण में छेड़ो का संग्रह व दुगुन, पक्की दुगुन तिगुन, आड् पव्ड ब्याढ़ एवं पड़ाव ताल में लयो के साथ पंजाब की प्राचीन बंदिशे परने तथा नगाड़ो के खास बोलो के माध्यम से प्रस्तुति दी।

बीएचयू में तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव आरंभ

रागश्री मंगलाचरण, आलाप, गुरुनानक देव महाराज का रागश्री में ध्रुपद "मत जाड़ सह गली पाया माल के माड़े रुप की शोभा, इति विधि जनम" गवॉया। इसके पश्चात इलाहाबाद के कलाकार पण्डित प्रेम कुमार मलिक ने अपनी प्रस्तुति दी। ध्रुपद महोत्सव के अन्तर्गत 18 अक्टूबर 2016 मंगलवार को अपरान्ह 3 बजे संगीत एवं मंच कला संकाय के पण्डित ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में डा. मधु भट्ट तेलंग (जयपुर) गायन, प्रवीण आर्य जयपुर पखावज, पण्डित दालचन्द शर्मा (दिल्ली) पखावज वादन अनीश मिश्र (वाराणसी) सारंगी संगति, पंण्डित उदय भवालकर (पुणे) पंखावज संगति की प्रस्तुति होगी। मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी थे। अध्यक्षता कला मर्मज्ञ एवं मानद आचार्य प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने की। ध्रुपद महोत्सव के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि संगीत केवल मनोरंजन का विषय नही अपितु संगीत से मन, बुद्धि एवं आत्मा को सही दिशा में नियोजित करने से सफलता मिलती है। अध्यक्षीय उद्वोधन में कला मर्मज्ञ प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने कहा कि ध्रुपद महोत्सव की जो परम्परा आज आरम्भ हुई है उससे काशी की संगीत व सांस्कृतिक धारा को गति मिलेगी।

अतिथियों को अंगवस्त्रम एवं माल्यापर्ण कर स्वागत शताब्दी समारोह प्रकोष्ठ के विशेष कार्याधिकारी डा. विश्वनाथ पाण्डेय तथा संगीत एवं मंच कला संकाय प्रमुख प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा ने किया। इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद के सदस्य प्रो. चित्तरंजन ज्योतिषी, संस्कृत के विद्वान महामहोपाध्याय, प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, शताब्दी समारोह प्रकोष्ठ के चेयरमैन प्रो. पीसी उपाध्याय, श्री के चन्द्रमौलि, प्रो. एस चूड़ामणि गोपाल, प्रो. शारदा वेलेंकर, प्रो संगीता पण्डित, प्रो. एलडी मिश्रा, प्रो. सीबी झा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक छात्र-छात्राएं व कला मर्मज्ञ उपस्थित थे।

वाराणसी, 18 अक्टूबर 2016 दैनिक जागरण

ध्रुपद महोत्सवः बीएचयू में तीन दिवसीय समारोह का हुआ आगाज

सफलता की कुंजी भी है संगीत

बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय में आयोजित ध्रुपद महोत्सव में गायन प्रस्तुत करते कलाकार।

◆ कलाकारों ने प्रस्तुत किए कई रागों में गायन

जागरण संवाददाता, वाराणसी : संगीत एवं मंच कला संकाय, बीएचयू के पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में सोमवार की शाम को ध्रुपद महोत्सव का आगाज हुआ। शताब्दी वर्ष में शुरू हुए इस तीन दिवसीय समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि संगीत केवल मनोरंजन का विषय नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। संगीत से मन, बुद्धि एवं आत्मा को सही दिशा में योजित करने से सफलता मिलती है। महोत्सव की प्रथम प्रस्तुति संकाय के विद्यार्थियों की ओर से की गई। दूसरी प्रस्तुति कोलकाता से आईं रंजीता मुखर्जी ने की। उन्होंने राग मुलतानी में गायन प्रस्तुत किया। इसके बाद नई दिल्ली से आए भाई बलदीप सिंह ने स्वर्ण मंदिर दरबार साहिब की प्राचीन मर्यादा के मुताबिक शान में चैताल बजाया। इलाहाबाद के पं. प्रेम कुमार मलिक ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर संकाय प्रमुख प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्रा, प्रो. ऋत्विक सान्याल, प्रो. राजेश शाह, डा. विश्वनाथ पांडेय, प्रो. चितरंजन ज्योतिषी, प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रो. पीसी उपाध्याय, के चन्द्रमौलि, प्रो. शारदा वेलेंकर, प्रो. संगीता पंडित आदि उपस्थित रहीं। अध्यक्षता प्रो. केडी त्रिपाठी तथा संचालन अनुराधा रतूड़ी ने किया।

हिन्दुस्तान • वाराणसी • मंगलवार • 18 अक्तूबर 2016

बीएचयू में घुली ध्रुपद की मिठास

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू के संगीत एवं मंच कला संकाय के पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव की शुरुआत सोमवार को हुई। विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सहयोग से महोत्सव आयोजित है।

उत्सव की प्रथम प्रस्तुति संकाय के छात्र-छात्राओं के समूह ने प्रो. ऋत्विक सान्याल के निर्देशन में ध्रुपद वृंदगान, राग भीम पलाशी में पद कुंजन में रच्यो दास.., राग किरवानी सूलताल में निबद्ध बंदिश सूर को गाये ध्याये... प्रस्तुत किया। रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता की रंजीता मुखर्जी ने राग मुलतानी में स्वर साधे। अंकित पारिख ने पखावज पर साथ दिया। नई दिल्ली के बलदीप सिंह ने पंजाब की प्राचीन बंदिशे सुनायी तो गुरुनानक देव महाराज को समर्पित रागश्री में ध्रुपद मत जाड़ सह गली पाया माल के माडे... आदि प्रस्तुत किया। पखावज पर आशुतोष उपाध्याय ने साथ दिया। संचालन अनुराधा रतूड़ी ने किया।

गायन प्रस्तुत करतीं कोलकाता की रंजिता।

महोत्सव का उद्घाटन कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने किया। अध्यक्षता कला मर्मज्ञ प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी ने की। स्वागत प्रो. ऋत्विक सान्याल व स्वागत डॉ. विश्वनाथ पाण्डेय व संकाय प्रमुख प्रो. वीरेन्द्र नाथ मिश्र ने किया।

20.10.2016 अमर उजाला

बीएचयू के संगीत मंच कला संकाय के पं ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में ध्रुपद महोत्सव में गायन प्रस्तुत करतीं सोमबला।

रुद्रवीणा के तारों संग झंकृत हुआ तन-मन

राग मुल्तानी में ध्रुपद गायिकी पर बटोरीं तालियां

वाराणसी। ध्रुपद की बंदिशों पर बुधवार की रात खूब इतराई। रुद्रवीणा के तारों के साथ संगीत प्रेमियों के तन-मन झंकृत हुए तो स्वरों की अलापचारी पर भी लोग झूमते रहे। ऐसे ही अंदाज के बीच बीएचयू में शताब्दी समारोह समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ध्रूपद महोत्सव का समापन बुधवार को हुआ। अंतिम दिन देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के बल पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उधर दर्शकों ने भी ताली बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

संगीत एवं मंच कला संकाय में आयोजित कार्यक्रम में खैरागढ़ की सोमबाला कुमार ने राग मुल्तानी में अलाप चारी किया। पखावज पर पृथ्वीराज कुमार ने संगत किया। उधर रुद्रवीणा वादन में मुंबई के उस्ताद मोही बहाउद्दीन डागर ने राग खमाज में अलाप एवं जोड़ झाला में चार ताल में वादन किया। इसके अलावा प्रो. पं ऋत्विक सान्याल ने राग छयानट में धमार-लचकत आवे की प्रस्तुति की। बतौर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानन्द जोशी ने कहा कि कलाओं को जीवंत रखना सभी का दायित्व है। इसके साथ ही कीर्तन, बारादरी एवं हवेली संगीत को भी बचाना जरूरी है। कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने अध्यक्षता की। इस दौरान डॉ. विश्वनाथ पांडेय, प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. के शशी कुमार, प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
वाराणसी • गुरुवार • 20 अक्तूबर 2016

गायन और रुद्रवीणा वादन ने मोहा मन

ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह (बीएचयू) में ध्रुपद मेला के अंतिम दिन बुधवार को गायन प्रस्तुत करतीं सोमबाला कुमार। • हिन्दुस्तान

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू में शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित ध्रुपद महोत्सव के अंतिम दिन सोमबाला कुमार के गायन और बहाउद्दीन डागर के रुद्रवीणा वादन ने संगीत प्रेमियों को प्रभावित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ खैरागढ़ की सोमबाला कुमार के गायन से हुआ। उन्होंने राग-मुल्तानी में आलाप, जोड़, झाला और चौताल में बंदिश प्रस्तुत की। पखावज पर संगत पृथ्वीराज कुमार ने की।

मुंबई से आए उस्ताद बहाउद्दीन डागर ने रुद्रवीणा पर राग-खमाज़ में आलाप एवं जोड़, झाला और झपताल प्रस्तुत किया। पखावज पर संगत प्रताप अवाड ने की। इसी क्रम में प्रो. ऋत्विक सान्याल ने राग छायानट में धमार और पूर्वी में शूल ताल प्रस्तत किया। पखावज पर पंडित डालचंद शर्मा ने साथ दिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानन्द जोशी ने कहा कि कलाओं को जीवित रखना हमारा दायित्व है। कीर्तन, बारादरी एवं हवेली संगीत को भी बचाना जरूरी है। अध्यक्षता कुलपति प्रो.जीसी त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में बीएचयू कार्यकारिणी के सदस्य पं. चित्तरंजन ज्योतिषी के अलावा प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. के. शशी कुमार, प्रो. वीरेन्द्र नाथ मिश्र आदि थे।

अमर उजाला वाराणसी
बृहस्पतिवार, 20 अक्तूबर 2016

रुद्रवीणा के तारों संग तन-मन झंकृत

राग मुल्तानी में ध्रुपद गायिकी पर बटोरी तालियां

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी।

ध्रुपद की बंदिशों पर बुधवार की रात खूब इतराई। रुद्रवीणा के तारों के साथ संगीत प्रेमियों के तन-मन झंकृत हुए तो स्वरों की अलापचारी पर भी लोग झूमते रहे। ऐसे ही अंदाज के बीच बीएचयू में शताब्दी समारोह समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ध्रुपद महोत्सव का समापन बुधवार को हुआ। अंतिम दिन देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के बल पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उधर दर्शकों ने भी ताली बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

संगीत एवं मंच कला संकाय में आयोजित कार्यक्रम में खैरागढ़ की सोमबाला कुमार ने राग मुल्तानी में अलाप चारी किया। पखावज पर पृथ्वीराज कुमार ने संगत किया। उधर रुद्रवीणा वादन में मुंबई के उस्ताद मोही बहाउद्दीन डागर ने राग खमाज में अलाप एवं जोड़ झाला में चार ताल में वादन किया। इसके अलावा प्रो. पं ऋत्विक सान्याल ने राग छयानट में धमार-लचकत आवे की प्रस्तुति की। बतौर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानन्द जोशी ने कहा कि कलाओं को जीवंत रखना सभी का दायित्व है। इसके साथ ही कीर्तन, बारादरी एवं हवेली संगीत को भी बचाना जरूरी है। कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने अध्यक्षता की। इस दौरान डॉ. विश्वनाथ पांडेय, प्रो. शारदा वेलंकर, प्रो. के शशी कुमार, प्रो. वीरेंद्र नाथ मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में गायन प्रस्तुत करतीं खैरागढ़ की सोमबाला कुमार।

कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

वाराणसी (ब्यूरो)। जापान इंटरनेशनल को-आपरेशन एजेंसी (जायका) के तहत सीवेज और नॉन सीवेज कार्यों की समीक्षा बैठक में भाग लेने गए नगर आयुक्त श्रीहरिप्रताप शाही और गंगा प्रदूषण के जीएम संजय सिंह को तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। बैठक से लौटने के बाद बुधवार को नगर आयुक्त ने बताया कि नॉन सीवेज में धोबी घाट के निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं संजय सिंह को दीनापुर में बन रहे 140 एमएलडी को समय पर पूरा कराने के लिए निर्देश दिया गया है।

सफेद दाग

सफेद दाग की सर्वोत्तम आयुर्वेदिक चिकित्सा 1934 से ही। दाग का रंग शीघ्र बदलता है और जल्द ही चमड़ी के प्राकृतिक रंग में मिल जाता है। सम्पर्क करें।
09810214031
09313935931
vaidya@shriayurvedicpharmacy.com

दैनिक जागरण वाराणसी, 20 अक्टूबर 2016

सोमबाला ने छेड़ा राग मुल्तानी में आलाप

ध्रुपद महोत्सव में गायन प्रस्तुत करतीं महिला कलाकार।

◆ बीएचयू में आयोजित ध्रुपद महोत्सव का समापन

जागरण संवाददाता, वाराणसी : संगीत एवं मंच कला संकाय बीएचयू के पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित ध्रुपद महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार को कलाकार ने कई रागों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने की। महोत्सव में खैरागढ़ से आईं सोमबाला कुमार ने राग मुल्तानी में आलाप, जोड़, झाला, चौताल में बंदिश–वंशीधर पिनाक धर गिरिधर गंगाधर, सूल ताल में नाद ब्रह्म विश्वरूप की प्रस्तुति दी। उनके साथ पखावज पर पृथ्वीराज कुमार ने संगत दी। मुंबई से आए मोही बहाउद्दीन डागर ने राग खमाज में आलाप एवं जोड़, झाला प्रस्तुत किया और पखावज संगती प्रताप की रही। प्रो. पं. ऋत्विक सान्याल ने राग छायानट में धमार लचकत आवे प्रस्तुत किया। उनके साथ पखावज पर संगत पं. डालचंद शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव प्रो. सच्चिदानंद जोशी थे। इस मौके पर प्रो. राजेश शाह, प्रो. संगीता पंडित, डा. रामशंकर, डा. ज्ञानेश चंद्र पांडेय, डा. केए चंचल, डा. सुप्रिया शाह, कुबेर नाथ मिश्र, डा. वनमाला पर्वतकर, पद्मश्री डा. सरोज चूड़ामणी, प्रो. मंगला कपूर, डा. पीसी होम्बल, प्रो. केडी त्रिपाठी, प्रो. सरयू सोनी, डा. स्वरवंदना शर्मा, उर्मिला शर्मा, प्रो. कृष्णकांत शर्मा, डा. प्रवीण उद्धव आदि उपस्थित थे। स्वागत डा. विश्वनाथ पांडेय ने किया।

प्रो. आनंद श्रीवास्तव बने विभागाध्यक्ष : वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी ने प्रो. आनंद कुमार श्रीवास्तव को कला संकाय के संस्कृत विभाग का अध्यक्ष बनाया है। प्रो. श्रीवास्तव का यह कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होगा जो 24 अक्टूबर से शुरू होगा।